

प्रेषक,

श्याम सिंह,  
अनुसचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
संस्कृति निदेशालय,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 30 मार्च, 2011

**विषय:- अनुसूचित जाति उपयोजना (एस0सी0एस0पी0) के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु लोक कलाओं के प्रशिक्षण हेतु धनराशि स्वीकृत किये जाने विषयक।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं0 2423/सं0नि0उ0/पांच-36/2010-11 दिनांक 19 जनवरी, 2011 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है श्री राज्यपाल महोदय अनुसूचित जाति उपयोग के अन्तर्गत लोक कलाओं के प्रशिक्षण का कार्य प्रथम चरण में 05 जनपदों यथा पिथौरागढ़, टिहरी गढ़वाल, उत्तरकाशी, अल्मोड़ा, चमोली में उत्तराखण्ड की लोक कलाओं को जीवित रखने एवं इसके व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु गुरु शिष्य परम्परा के अन्तर्गत अनुभवी गुरुओं द्वारा नये कलाकारों को गहन प्रशिक्षण दिये जाने हेतु यथा गुरु/संगतकर्ता/शिष्य का मानदेय/मार्गव्यय आवास/भोजन व्यय/कार्यशाला पर व्यय हेतु ₹ 7,20,869-00 लाख (रु0 सात लाख बीस हजार आठ सौ उन्हत्तर) मात्र की धनराशि निवर्तन पर रखते हुए निम्नानुसार व्यय किये जाने पर निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

2- प्रस्तावित कार्यशाला SCSP योजना के संचालन हेतु निर्धारित समस्त मानक पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जाये साथ ही योजनान्तर्गत कम से कम 50 प्रतिशत या उससे अधिक शिष्य अनुसूचित जाति होने चाहिए अथवा गुरु अनुसूचित जाति के हों। अभिलेखीकरण संघटक में कलाकार जिसके सम्बन्ध में अभिलेखीकरण किया जाना है, वे अनुसूचित जाति का होना अनिवार्य है। उपरोक्त स्थिति सुनिश्चित होने के उपरान्त ही धनराशि का आहरण किया जायेगा।

3-भारत के अन्तर्गत स्थापित सांस्कृतिक केन्द्रों द्वारा देश के विभिन्न भागों में लोक कला के संरक्षण,संवर्द्धन हेतु गुरु शिष्य परम्परा के अन्तर्गत कार्यशालायें आयोजित की जाती है, इसी आधार पर संस्कृति विभाग, उत्तराखण्ड में भी प्रदेश के विभिन्न जनपदों में 6 कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है। इन कार्यशालाओं में रखे गये गुरुओं/संगतकर्ताओं एवं शिष्यों को भारत सरकार के सांस्कृतिक केन्द्रों हेतु भारत सरकार द्वारा निर्धारित दरों पर मानदेय आदि का भुगतान किया जाना प्रस्तावित है। उपरोक्त के अतिरिक्त निम्नानुसार मापदण्ड निर्धारित किया जाना प्रस्तावित है।

4- योजना के अन्तर्गत विलुप्त हो रही कलाओं के लोक कलाकारों जिनकी विशिष्ट उपलब्धि रही हो को गुरु बनाया जाये।

5- गुरु द्वारा सम्बन्धित क्षेत्र में स्वयं शिष्यों का चुनाव कर उन्हें विधिवत् सम्बन्धित कला की शिक्षा प्रदान की जाये।

6- कार्यशाला हेतु शिष्यों की संख्या 10 से 15 तक होनी आवश्यक है, तथा प्रथम चरण में प्रत्येक कार्यशाला की अवधि 6 माह निर्धारित की जायेगी।

7- प्रत्येक कार्यशाला हेतु गुरु के द्वारा समय-समय पर कार्यशाला संचालन आख्या/ रिपोर्ट संस्कृति विभाग को उपलब्ध करायी जाये।

8- कार्यशाला प्राथमिक विद्यालय, पंचायत घर, मिलन केन्द्र जो सम्बन्धित गुरु के ग्राम में

Budget 10-11

(2)

उपलब्ध हो में प्रारम्भ किया जाये।

9- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही सीमित रखा जाय, साथ ही जिन मदों के लिए बजट अनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय करने से पूर्व शासन/सम्बन्धित अधिकारी की स्वीकृति भी अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाय। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

10- वित्तीय हस्त पुस्तिका (खण्ड-5) भाग-1 के अध्याय 16-क-अनुच्छेद 369 के सुसंगत प्राविधानों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा धनराशि तभी प्रदान की जाये जब सम्बन्धित द्वारा सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 के अनुपालन का शपथ पत्र प्रदान किया जाये।

11- उक्त धनराशि उन्हीं मदों पर व्यय की जाय, जिन मदों हेतु स्वीकृत की जा रही है। अन्य किसी मद में व्यय नहीं किया जायेगा।

12- उक्त धनराशि का उपयोग कर उपयोगिता प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर मदवार व्यय शासन को उपरोक्त साक्ष्य के साथ आवश्यक उपलब्ध कराया जायेगा।

13- उक्त धनराशि इस शर्त के साथ स्वीकृत की जा रही है कि इसी कार्यक्रम के लिए उत्तराखण्ड शासन के किसी अन्य विभाग/भारत सरकार से अनुदान प्राप्त नहीं करेगी।

14- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु अनुदान संख्या-30 लेखाशीर्षक-2205-कला एवं संस्कृति-00-102- कला एवं संस्कृति का संवर्द्धन-00-02-अनुसूचित जाति के लिये स्पेशल कम्पोनेंट प्लान-0201-लोक संगीत एवं लोक नृत्य के क्षेत्र में प्रशिक्षण हेतु कार्यशालाओं का आयोजन एवं डाक्यूमेंटेशन का कार्य-00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता मानक मद के आयोजनागत पक्ष के नामें डाला जायेगा।

15- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-507(P)/XXVII(3)/2010 दिनांक 30 मार्च, 2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(श्याम सिंह)  
अनुसचिव।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, देहरादून।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- निजी सचिव, मा10 संस्कृति मंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
- 6- एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
- 7- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(श्याम सिंह)  
अनुसचिव।